सरकार के विचाराधीन नये परमाणु शक्ति संयंत्र

1613. डा० अबरार अहमद : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वे कौन-कौन से परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं जहां परमाणु ऊर्जा उत्पादित की जाती है ; उनकी संयंत्रवार क्षमता क्या है ;

(ख) क्या परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिये कोई नये संयंत्र सरकार के विचाराधीन हैं ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उन एककों के नाम क्या हैं जहां कार्य चल रहा है और इन एककों का कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ; और

(ग) क्या परमाणु संयंत्रों द्वारा परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिये किये गये नये शोध कार्यों के कोई सारगर्भित परिणाम निकले हैं ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) निम्नलिखित चालू परमाणु बिजलीघरों में बिजली का उत्पादन किया जा रहा है :

मेगावाट

यूनिट	परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा यथा अनुमोदित स्थापित क्षमता
तारापुर परमाणु बिजलीघर--- पहला यूनिट . .	160
तारापुर परमाणु बिजलीघर--- दूसरा यूनिट . .	160
राजस्थान परमाणु बिजलीघर पहला यूनिट . .	160
राजस्थान परमाणु बिजलीघर दूसरा यूनिट . .	220
मद्रास परमाणु बिजलीघर--- पहला यूनिट . .	220
मद्रास परमाणु बिजलीघर--- दूसरा यूनिट . .	220
नरोरा परमाणु बिजलीघर--- पहला यूनिट . .	220

(ख) चालू परियोजनायें

परमाणु विद्युत रिएक्टरों की वे चालू स्कीमें जहां निर्माण कार्य चल रहा है, निम्नलिखित हैं :

परियोजना	क्रांतिकता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य तारीख
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना---दूसरा यूनिट	अगस्त, 1991
ककरापार परमाणु विद्युत परियोजना---पहला यूनिट	दिसम्बर 1991
ककरापार परमाणु विद्युत परियोजना---दूसरा यूनिट	दिसम्बर, 1992
राजस्थान परमाणु बिजलीघर ---तीसरा यूनिट	मई, 1995
राजस्थान परमाणु बिजलीघर ---चौथा यूनिट	नवम्बर 1995
कैगा परियोजना---पहला यूनिट	जून, 1995
कैगा परियोजना---दूसरा यूनिट	दिसम्बर, 1995

(वाणिज्यिक स्तर पर बिजली का उत्पादन क्रांतिकता प्राप्त करने के 5 से 6

महीने बाद शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है) ।

नई परियोजनायें

सरकार द्वारा तारापुर परमाणु विद्युत परियोजना के तीसरे और चौथे यूनिट (2-500 मेगावाट) के लिए परियोजना संबंधी वित्तीय संस्वीद्युति जनवरी, 1991 में दी गई है । कगा में 220 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले चार तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में 500 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले 4 और यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है । तमिलनाडु में कुडनकुलम नामक स्थान पर 1000 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले 2 यूनिट स्थापित करने के लिए सोवियत संघ और भारत के बीच एक अन्तर्कारी करार पर नवम्बर, 1988 में हस्ताक्षर किए गए थे । इन नई परियोजनाओं पर कार्य शुरू करना साधनों की स्थिति के समनरूप बजटीय और योजना आबंटनों पर निर्भर करेगा ।

(ग) जी, हां । परमाणु विद्युत रिएक्टरों के कार्यनिष्पादन तथा सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अनुसंधान और विकास संबंधी अनेक कार्य किए गए हैं । उनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं :--

- नाभिकीय ईंधन के डिजाइन और उसके संविरचन में सुधार करना ;
- बेहतर सुरक्षा के लिए बचाव प्रणालियों ;
- शीतलक चनलों को बेहतर कार्य-काल के लिए जर्कोनियम-नायोबियम दाब ट्यूबें विकसित करना ;
- सेवाकलीन निरीक्षण और मरम्मत संबंधी काम करने के लिए मशीनी सुनम्य औजार और विद्युत चम्बकीय युक्तियां ;
- संशोधन प्रणाली में सुधार करना ।

सामान्य रूप में हम अपने अनुसंधान और विकास संबंधी प्रयासों के जरिए दाबित भारी पानी किस्म के रिएक्टरों की प्रचालन प्रणलियों में सुधार ला पाए हैं ।

Industrial growth Centres

1614. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of industrial growth centres identified in the country and the number of them in Andhra Pradesh indicating their locations;

(b) what facilities are proposed to be provided in those centres;

(c) by when are they likely to be completed;

(d) what is the cost of each centre; and

(e) what are the advantages of these centres?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SHRI P. J. KURIEN): (a) to (e) Out of 70 growth centres intended to be developed in various States/Union Territories, locations of 61 growth centres have been identified. Andhra Pradesh has been allotted 4 growth centres, the locations of which are as under;

Name of growth	District
Vizianagaram-Bobbili	Vizianagaram
Ongole	Prakasam
Khammam (Vemsoor	Khammam
(Vemsoor Mandal)	
Hindpur	Anantapur